DAL Examination

अपभ्रंश गद्य-पद्य एवं छंद विवेचन

Paper-DAL-02

Time Allowed: Three Hours

Maximum Marks:100

There are 50 multiple choice questions in this paper. Attempt all questions. Each question carries 2 marks. You have to answer the question by marking A/B/C or D in the OMR Sheet supplied to you alongwitth the question paper. You must also darken the relevant option by making use of H.B. Pencil/Blue Pen/Black Pen. No. marks will be deducted for wrong answer.

यह प्रश्नपत्र कुल 50 **बहुवैकल्पिक प्रश्नों का है। प्रत्येक प्रश्न** 2 **अंको का है। आपको प्रश्नों के उत्तर अ/ब/स अथवा द का चयन करते हुए प्रश्नपत्र के साथ दी** OMR Sheet **में दर्ज करने हैं। साथ ही सम्बन्धित गोले को भी एच.बी. पेन्सिल/नीले बाल पैन अथवा काले बाल पैन से भरा जाना है। गलत उत्तर के लिए अंकों की कटौती नहीं की जाएगी।**

1. हेमचन्द्र सूरी थे -
   (अ) मंत्री (ब) राजा
   (स) सेठ (द) जिनशासन के प्रभावक आचार्य
2. हेमचन्द्र के अनुसार माता के चरणों में प्रणाम करनेवाले को प्रतिदिन प्राप्त होता है -
   (अ) वाहन (ब) धन
   (स) मकान (द) गंगास्नान के समान पुण्य-लाभ
3. जो व्याकुल मनुष्यों को अभयवचन देता है वह हेमचन्द्र के अनुसार है-
   (अ) सज्जन पुरुष (ब) सलाहकार
   (स) चिकित्सक (द) पुलिस
4. 'सावयधम्म दोहा' शब्द का अर्थ है -
   (अ) धर्म के दोहे (ब) श्रावक धर्म के दोहे
   (स) संयम के दोहे (द) उपदेशी दोहे
5. दोहा कहलाता है -
   (अ) सहस्रपदी (ब) अष्टपदी
   (स) द्विपदी (द) षट्पदी
6. भद्रता प्राप्त होती है -
   (अ) धनवानों की संगति से (ब) गुणवानों की संगति से
   (स) मित्रों की संगति से (द) राजनेताओं की संगति से
7. सुख अधीन है -
   (अ) धन के (ब) भोजन के
   (स) वस्त्रों के (द) धर्म के
8. परमात्मप्रकाश है-
   (अ) मुक्तक काव्य (ब) प्रबन्ध काव्य
   (स) कथा काव्य (द) चरित काव्य
9. परमात्मप्रकाश की रचना इस शिष्य की शंकाओं के समाधान रूप में हुई-
   (अ) कुमारिल भट्ट (ब) प्रभाकर भट्ट
   (स) सुधाकर भट्ट (द) दिवाकर भट्ट
10. 'स्व-बोध' में बाधक है -
    (अ) ज्ञान (ब) आसक्ति
    (स) श्रद्धा (द) शान्ति
11. 'योगीन्दु के अनुसार ज्ञानी की दृष्टि में 'देह' है -
    (अ) अजर (ब) अमर
    (स) नित्य (द) नश्वर

12. 'पाहुडदोहा' के रचयिता है -
(अ) मुनि देवसिंह (ब) मुनि रामसिंह
(स) आचार्य योगीन्दु (द) आचार्य हेमचन्द्र

13. स्वहित के साथ-साथ लोकमंगल के लिए भी तत्पर होते हैं -
(अ) नेता (ब) अभिनेता
(स) संत (द) मित्र

14. 'पाहुडदोहा' का मूल वर्ण्य विषय है -
(अ) काल (ब) अधर्म
(स) आकाश (द) आत्मा

15. तप करने से पूर्व आवश्यक है -
(अ) दुग्धपान (ब) तेलमालिश
(स) चित्तशुद्धि (द) भोजन

16. महाकाव्य साहित्य की इस विधा की रचना है -
(अ) खण्डकाव्य (ब) करुणकाव्य
(स) प्रबन्धकाव्य (द) वीरकाव्य

17. 63 श्लाघनीय पुरुषों का जीवनचरित वर्णित है -
(अ) महापुराण में (ब) विउसीपुत्तबहूहे कहा में
(स) पाहुडदोहा में (द) जसहरचरिउ काव्य में

18. 'तिसट्ठिमहापुरिसगुणालंकार' शब्द में 'गुण' शब्द का अर्थ है -
(अ) विशेषता (ब) छोटा सा गुण
(स) आत्मिक ऐश्वर्य (द) बुराई

19. 'भरत-बाहुबलि-सेना' को युद्ध न करने की सलाह दी-
(अ) राजा भरत ने (ब) राजा बाहुबली ने
(स) दोनों पक्षों के मंत्रियों ने (द) सैनिकों के घरवालों ने

20. राजा भरत त्रेसठ शलाका पुरुषों में परिगणित हैं-
(अ) तीर्थंकर (ब) चक्रवर्ती
(स) बलदेव (द) वासुदेव

21. 'सुदंसणचरिउ' के रचयिता है-
(अ) कवि करकण्डु (ब) कवि वीर
(स) मुनि रामसिंह (द) मुनि नयनन्दि

22. सुभग नामक ग्वाले ने इस मंत्र की आराधना से सम्यक्त्व प्राप्त किया-
(अ) मृत्युंजय मंत्र (ब) पंच नमस्कार मंत्र
(स) वशीकरण मंत्र (द) ऐश्वर्यदायी मंत्र

23. सुदंसणचरिउ के अनुसार जूआ खेलने से कष्ट पाया-
(अ) रुद्रदत्त ने (ब) यादवों ने
(स) नल व युधिष्ठिर ने (द) ब्रह्मदत्त ने

24. प्राणदण्ड मिलने पर वधस्थल पर सुदर्शन करते हैं-
(अ) विलाप (ब) प्रार्थना
(स) ध्यान (द) क्षमा याचना

25. 'संदेशरासक' की भाषा है-
(अ) पूर्ववर्ती अपभ्रंश (ब) परवर्ती अपभ्रंश
(स) प्रारंभिक अपभ्रंश (द) मध्यकालीन अपभ्रंश

26. संदेशरासक की नायिका इस नगर की है-
(अ) अजयनगर (ब) विजयनगर
(स) संजयनगर (द) जयनगर

27. संदेशरासक की नायिका पथिक को अपनी विरह-व्यथा सुनाती है-
(अ) दुःख नाशनार्थ (ब) भ्राता संदेशार्थ
(स) पति-संदेशार्थ (द) मनोरंजनार्थ

28. संदेशरासक की नायिका का पति रहता है-
(अ) जैसलमेर में (ब) मुल्तान में
(स) खम्भात में (द) विजयनगर में

29. 'अमंगलियपुरिसहो कहा' रचना है-
(अ) उपन्यास (ब) नाटक
(स) कथा (द) गजल

30. अमंगलियपुरिसहो कहा का स्रोत है-
(अ) कहाकोसु (ब) पाइयसंगहो
(स) पाइयविण्णाणकहा (द) कहासंगहो

31. अमंगलियपुरुष के मुखदर्शन के बाद राजा ने विचार किया कि वह-
(अ) मारा जाना चाहिये (ब) पुरस्कार दिया जाना चाहिये
(स) बंदी बनाया जाना चाहिये (द) देश निकाला दिया जाना चाहिये

32. 'विउसीहे पुत्तबहू हे कहाणगु का उद्देश्य है-
(अ) मानव जीवन सार्थकता (ब) पति-अज्ञान प्रदर्शन
(स) वैभव प्रदर्शन (द) भोग-विलास प्रदर्शन

33. विउसी पुत्तवहू के ससुर का नाम है-
(अ) सेठ धन्नादास (ब) सेठ लक्ष्मीदास
(स) सेठ धर्मदास (द) सेठ रामदास

34. विउसी पुत्तवहू ने धर्महीन मनुष्य का जीवन बताया -
(अ) अच्छा (ब) सफल
(स) लाभदायक (द) प्राप्त किया हुआ भी अप्राप्त

35. विउसी पुत्तवहू की प्रेरणा से उसका पति आराधक हुआ-
(अ) सर्वज्ञ के धर्म का (ब) सत्य धर्म का
(स) क्षत्रिय धर्म का (द) वैष्णव धर्म का

36. गेहि सूरु कथा का अपभ्रंश भाषा में रूपान्तरण किया-
(अ) मुनि कस्तूर विजय ने (ब) डाॅ. ए. एन. उपाध्ये ने
(स) डा. कमलचन्द सोगाणी ने (द) डा. राजाराम सोगाणी ने

37. गेहि सूरु के नायक की दुकान थी-
(अ) नगर से दूर (ब) नगर के मध्यभाग में
(स) नगर से बाहर (द) राजपथ के मध्यभाग में

38. गेहिसूरु पर फैंका गया-
(अ) सड़ा हुआ फल (ब) पकी हुई ककड़ी
(स) कोई गन्दगी (द) मैला पानी

39. ''सैंकड़ो मनुष्य भी मेरे सामने कुछ करने को समर्थ नहीं हैं''यह कथन है-
(अ) गेहिसूरु का (ब) कोतवाल का
(स) राजा का (द) पत्नी का

40. गेहिसूरु का नायक पत्नी से वे ही पुराने वस्त्र पाकर इस प्रकार उत्तर देता है-
(अ) डरते हुए (ब) चैंकते हुए
(स) ढीठता से (द) सहम कर

41. 'छन्द साहित्य की इस विधा का अंग है-
(अ) नाटक का (ब) काव्य का
(स) कथा का (द) उपन्यास का

42. काव्य में निर्धारित स्थान पर विराम को कहते हैं -
(अ) मति (ब) श्रुति
(स) गति (द) यति

43. लघु (ह्रस्व) वर्ण की मात्रा होती है-
(अ) दो (ब) तीन
(स) एक (द) पाँच

44. 'चिंतइ' शब्द में 'चिं' दीर्घ है-
(अ) संयुक्तादि होने से (ब) दीर्घ होने से
(स) वृद्धि स्वर होने से (द) अनुस्वार युक्त होने से

45. नगण की मात्राएँ है-
(अ) ऽ ऽ ऽ (ब) । । ।
(स) । । ऽ (द) ऽ । ।

46. आठ मात्राओं वाला छन्द है-
(अ) सदन (ब) मदन
(स) मत्तमातंग (द) कुवलयमालिनी

47. 'सभी वर्ण गुरु होते हैं' वह छन्द है-
(अ) चित्रपदा (ब) समानिका
(स) विद्युन्माला (द) दोधक

48. वर्णिक छंद में गणना होती है-
(अ) मात्रा की (ब) वर्ण की
(स) यति की (द) गति की

49. हेमचन्द्र के अनुसार हाथी का मनपसन्द वृक्ष है -
(अ) पीपल (ब) वट
(स) नीम (द) सल्लकी

50. कवि हेमचन्द्र का काव्य है-
(अ) गीत काव्य (ब) खण्ड काव्य
(स) महा काव्य (द) मुक्तक काव्य

51. कवि हेमचन्द्र के पिता का नाम था -
(अ) खेमचन्द्र (ब) चाचिंग
(स) जयसिंह (द) कुमारपाल

52. कवि हेमचन्द्र के दोहे साहित्य की विधा के अन्तर्गत आते हैं -
(अ) चरितकाव्य (ब) खण्डकाव्य
(स) महाकाव्य (द) मुक्तक काव्य

53. तिलों में तेल (स्नेह) खत्म हो जाने पर वह हो जाता है -
(अ) भूसा (ब) खल
(स) व्यर्थ (द) नीरस

54. एक मुख्य कथा अनेक अवान्तर कथाओं के साथ जिस काव्य में निबद्ध होता है, वह कहलाता है -
(अ) वीर काव्य (ब) प्रबन्ध काव्य
(स) शृंगार काव्य (द) मुक्तक काव्य

55. 'सावयधम्म दोहा' के रचयिता है -
(अ) आचार्य हेमचन्द्र (ब) आचार्य देवसेन
(स) आचार्य पुष्पदन्त (द) आचार्य रामसिंह

56. 'सावयधम्म दोहा' इस प्रकार के जीवन जीने की प्रेरणा देता है -
(अ) वैभवशाली एवं विलासी जीवन (ब) संन्यासी जीवन

(स) मानवीय गुणों से युक्त नैतिक व आध्यात्मिक जीवन (द) सैनिक जीवन

57. अध्यात्मरहित तप होता है -
(अ) प्रचुर फलदायी (ब) अल्प फलदायी
(स) सफल (द) निष्फल

58. 'त्यागधर्म' का रूप धारण करता है-
(अ) क्रोध का त्याग (ब) माया का त्याग
(स) मान का त्याग (द) सुपात्र को दान

59. परमात्मप्रकाश मुक्तक काव्य है-
(अ) रहस्यवादी (ब) उपदेशात्मक
(स) चरितात्मक (द) कथात्मक

60. परमात्मप्रकाश के प्रथम अधिकार में वर्णन है-
(अ) संसार का (ब) आत्मा का
(स) धर्म का (द) पुद्गल का

61. आचार्य योगीन्दु के अनुसार इससे 'आधे पल भी किया गया प्रेम' संपूर्ण पापों को नष्ट कर देता है -
(अ) परिवार से (ब) गुरु से
(स) परम आत्मा से (द) धर्म से

62. वस्त्र और देह की पृथकता को भली-भाँति समझता है -
(अ) ज्ञानी (ब) राजा
(स) मंत्री (द) आचार्य

63. मुनि रामसिंह की रचना का नाम है-
(अ) सावयधम्म दोहा (ब) पाहुडदोहा
(स) परमात्मप्रकाश (द) सुप्पय दोहा

64. जो न उत्पन्न होता है, न जीर्ण होता है, न मरता है वह है -
(अ) शव (ब) मनुष्य
(स) शुद्ध आत्मा शिव (द) पशु

65. मनुष्य की आत्मा रहती है -
(अ) मन्दिर में (ब) घर में
(स) दुकान में (द) देह देवालय में

66. मुनि रामसिंह थे -
(अ) शिक्षक (ब) संत कवि
(स) मित्र (द) परोपकारी

67. महापुराण इस प्रकार का प्रबन्ध काव्य है -
(अ) महाकाव्य (ब) मुक्तक काव्य
(स) चरित काव्य (द) कथा काव्य

68. महाकवि पुष्पदंत का समय है -
(अ) दसवीं शताब्दी (ब) पाँचवीं शताब्दी
(स) दूसरी शताब्दी (द) बारहवीं शताब्दी

69. पुष्पदंत ने महापुराण की रचना इनके अनुरोध पर की -
(अ) महामंत्री भरत के (ब) कृष्णराज के
(स) राष्ट्रकूट के राजा के (द) बाहुबली के

70. महापुराण काव्य में चक्र इनकी प्रदक्षिणा देकर बिना प्रहार किये ही वापस लौट आया-
(अ) भरत की (ब) ऋषभदेव की
(स) वृषभसेन की (द) बाहुबली की

71. बाहुबली शलाका पुरुष है
(अ) तीर्थंकर (ब) चक्रवर्ती

(स) कोई भी नहीं (द) वासुदेव

72. सुदंसणचरिउ के नायक का नाम है-
(अ) धाईवाहन (ब) ऋषभदास
(स) सुदर्शन (द) कपिल

73. सुदंसणचरिउ में सेठानी अर्हद्दासी अपने गर्भकाल में शुभ स्वप्न देखती है-
(अ) पाँच (ब) चौदह
(स) सोलह (द) दो

74. सुभग ग्वाले ने माघ महिने में संध्याकाल में जंगल में देखा-
(अ) वनराज को (ब) मुनिराज को
(स) सेठ अर्हद्दासी को (द) अन्य ग्वाले को

75. सुदंसणचरिउ में कवि ने कुल छंदों का प्रयोग किया है-
(अ) पच्चीस (ब) पचास
(स) पिच्यासी (द) सौ

76. अमंगलिय पुरिसहो कहा का अपभ्रंश भाषा में अनुवाद किया है-
(अ) डा. राजाराम ने (ब) डा. कमलचंद सोगाणी ने
(स) डा. रामचन्द्र सोगाणी ने (द) डा. कृष्णचन्द्र ने

77. उस पुरुष विशेष को अमांगलिक मानते हुए लोग -
(अ) उसे घर नहीं बुलाते थे (ब) प्रातः उसका मुंह नहीं देखते थे
(स) उसके पास नहीं बैठते थे (द) उससे बात नहीं करते थे

78. राजा ने अमांगलिक पुरुष को सौंपा-
(अ) वैद्य को (ब) कोतवाल को
(स) चांडाल को (द) सिपाही को

79. 'नागरिक तुम्हारा मुख कैसे देखेंगे' अमंगलिय पुरुष ने राजा को ये वचन कहे-
(अ) राजा मिलनसार नहीं था इसलिए
(ब) राजा सुन्दर नहीं था इसलिए
(स) प्रभात में राजा के मुख दर्शन से उसे मृत्युदंड मिल रहा था इसलिए
(द) राजा विदेश जा रहा था इसलिए

80. 'विउसीहे पुत्तबहू हे कहाणगु का मूल स्रोत है-
(अ) कहाकुंज (ब) पाइयविण्णाणकहा
(स) पाइयसद्दमहण्णव (द) पाइय कहा मंजरी

81. विउसीहे पुत्तबहू हे कहाणगु में सेठ लक्ष्मीदास का पुत्र है-
(अ) संयमी (ब) धार्मिक
(स) भोग-विलासों में मग्न (द) व्रती

82. 'विउसीहे पुत्तबहू हे कहाणगु में पुत्रवधू है-
(अ) शीलवती (ब) रूपवती
(स) धनवती (द) प्रेमवती

83. विउसी पुत्तवहू ने सास की आयु बताई -
(अ) छः मास (ब) पचास वर्ष
(स) साठ वर्ष (द) एक वर्ष

84. गेहिसूरु कथा का नायक है-
(अ) कलाकार (ब) स्वर्णकार
(स) रचनाकार (द) साहित्यकार

85. गेहिसूरु का नायक अपने को समझता है-
(अ) बहुत वीर (ब) बहुत बड़ा दानी

(स) बहुत धनी (द) बहुत ज्ञानी

86. गेहि सूरु का नायक रात्रि में घर लौटते समय अचानक रोक लिये जाने पर -
(अ) वीरता से सामना करता है (ब) बचकर भाग निकलता है
(स) रोकनेवाले को भगा देता है (द) भयभीत होता हुआ कहता हैमुझे मत मारो

87. ककड़ी के रस को गेहिसूरु के नायक ने समझा-
(अ) खून व कीड़े (ब) रंग के साथ मिली कोई वस्तु
(स) कपड़े धोये का पानी (द) मैला पानी व कीड़े

88. गेहिसूरु की नायिका ने अपने पति की इस कथन के कारण परीक्षा ली -
(अ) सैंकड़ो मनुष्य भी मेरे सामने कुछ करने को समर्थ नहीं हैं
(ब) तुम बहुत डरपोक हो
(स) सब मुझसे डरते हैं
(द) मैं किसी से नहीं डरता

89. 'संदेशरासक' के रचयिता है-
(अ) कवि पुष्पदंत (ब) कवि स्वयंभू
(स) कवि अब्दुल रहमान (द) कवि रइधू

90. संदेशरासक की नायिका ऋतुओं का वर्णन करती है-
(अ) दो (ब) पाँच
(स) छः (द) तीन

91. संदेशरासक की नायिका अपनी विरह व्यथा सुनाती है-
(अ) एक पथिक से (ब) अपनी सखी से
(स) परिवार के सदस्य से (द) चिकित्सक से

92. संदेशरासक की नायिका द्वारा अपने पति को अपनी विरह-व्यथा बताने के लिए किया गया-
(अ) पत्र-प्रेषण (ब) चित्र-प्रेषण
(स) संदेश-प्रेषण (द) मित्र-प्रेषण

93. जिस छन्द के प्रत्येक चरण में 12 वर्ण होते हैं और चार बार जगण आता है वह है-
(अ) मौक्तिकदाम (ब) समानिका
(स) चित्रपदा (द) दोधक

94. छन्दोबद्ध रचना इस साहित्यिक रूप में पाई जाती है-
(अ) काव्य में (ब) नाटक में
(स) गद्य में (द) उपन्यास में

95. छन्द के अन्त में आनेवाली एक जैसी ध्वनि या एक जैसे वर्णों की आवृत्ति को कहते हैं-
(अ) रुक (ब) अन्त ध्वनि
(स) तुक (द) छन्द का अंत

96. साहित्य के नियमानुसार जिस वर्ण के उच्चारण में दो मात्रा का समय लगता है वह है-
(अ) बडा वर्ण (ब) गुरु (दीर्घ) वर्ण
(स) अधिक वर्ण (द) मोटा वर्ण

97. 'मुच्छिय' शब्द में 'मु' वर्ण माना जाता है-
(अ) दीर्घ (ब) लघु
(स) दोनों (द) कोई भी नहीं

98. भगण की मात्राएँ है-
(अ) s।। (ब) ।।s
(स) ।।। (द) ।s।

99. जिस छन्द के प्रत्येक चरण में बीस मात्राएँ होती हैं और सर्वत्र लघु आता है वह है -
(अ) शशितिलक (ब) रवितिलक
(स) मंजरी (द) चउपही

100. 'खंदेण' में गण है-
(अ) रगण (ब) मगण
(स) तगण (द) भगण

101. हेमचन्द्र सूरी अपने ज्ञान के कारण कहलाते थे -
(अ) प्रकाण्ड विद्वान (ब) भाषाशास्त्री
(स) कलिकाल सर्वज्ञ (द) कविराज

102. हेमचन्द्र की माता का नाम था -
(अ) रोहिणी (ब) माहिणी
(स) पाहिणी (द) हिमाणी

103. हेमचन्द्र के अनुसार सम्मान समाप्त हो जाने पर यदि शरीर न छोड़ा जाय तो छोड़ देना चाहिये-
(अ) घर (ब) परिवार
(स) देश (द) मित्र

104. जिस काव्य में एक कथा अनेक अवान्तर कथाओं के साथ प्रारंभ से अन्त तक चलती है वह काव्य माना जाता है -
(अ) वीर काव्य (ब) प्रबन्ध काव्य
(स) मुक्तक काव्य (द) चरित काव्य

105. 'सावयधम्म दोहा' है -
(अ) प्रबन्ध काव्य (ब) महाकाव्य
(स) मुक्तक काव्य (द) चरित काव्य

106. 'सावयधम्म दोहा' जीवन जीने की प्रेरणा देता है -
(अ) वैभवशाली एवं विलासी जीवन (ब) संन्यासी जीवन
(स) मानवीय गुणों से युक्त नैतिक व आध्यात्मिक जीवन (द) सैनिक जीवन

107. जिसको दिया गया दान संसार समुद्र से तारनेवाला होता है वह है -
(अ) पुत्री (ब) मित्र
(स) सुपात्र (द) पुत्र

108. धर्म के बिना प्राप्त हुए सुख होते हैं -
(अ) पुनः पुनः प्राप्त होनेवाले (ब) टूटे हुए
(स) स्थायी (द) लाभदायी

109. परमात्मप्रकाश के रचयिता है -
(अ) आचार्य हेमचन्द्र (ब) आचार्य कुन्दकुन्द
(स) आचार्य देवसेन (द) आचार्य योगीन्दु

110. परमात्मप्रकाश के द्वितीय अधिकार में वर्णन है -
(अ) संसार का (ब) आत्मा का
(स) मोक्ष का (द) गुरु का

111. स्व और पर को जानकर इसको छोड़ देने पर जीव शुद्ध होता है -
(अ) स्वभाव को (ब) पर-भाव को
(स) परिवार को (द) मित्रों को

112. 'संसार से पार' पाया जा सकता है -
(अ) गुरु के चिन्तन से (ब) धन के चिन्तन से
(स) निर्मल आत्मा के चिन्तन से (द) पुत्र के चिन्तन से

113. आपके पाठ में 'पाहुड' का अर्थ है -
(अ) प्रकृति (ब) दान
(स) उपहार (द) उपवन

114. 'पाहुडदोहा' इस भावधारा का काव्य है -
(अ) उपदेशात्मक (ब) शृंगारात्मक

(स) रहस्यवादी (द) हास्यप्रद

115. सिद्धत्व की प्राप्ति होती है -
(अ) शारीरिक क्रियाओं से (ब) चित्त की निर्मलता से
(स) गुरु की कृपा से (द) व्रत-संयम से

116. जो केवल ग्रंथ में और उसके अर्थ में ही सन्तुष्ट हो गया तो उसके द्वारा किया गया -
(अ) परमार्थ की प्राप्ति (ब) केवल भूसा कूटा गया
(स) धन की प्राप्ति (द) लक्ष्य की प्राप्ति

117. महाकाव्य के अतिरिक्त प्रबन्धकाव्य का दूसरा रूप है -
(अ) हास्य काव्य (ब) खण्ड काव्य
(स) वीर काव्य (द) मुक्तक काव्य

118. अपभ्रंश महापुराण का रचनाकाल है -
(अ) बारहवीं शताब्दी (ब) नवीं शताब्दी
(स) दसवीं शताब्दी (द) छठी शताब्दी

119. नाभेयचरिउ के नायक 'नाभेय' का मूलनाम है-
(अ) भरत (ब) बाहुबली
(स) नाभिराय (द) आदिनाथ ऋषभदेव

120. 'चरमदेह' से तात्पर्य है-
(अ) बलवान देह (ब) गौरवर्ण देह
(स) अन्तिम देह (द) दुर्बल देह

121. पूज्य होने के लिए आवश्यक है-
(अ) विश्वविजय (ब) देशविजय
(स) आत्मविजय (द) राज्यविजय

122. कवि नयनन्दि इस प्रसिद्ध राजा के समकालीन थे -
(अ) राजा धाईवाहन (ब) राजा भोज
(स) राजा वीर (द) राजा ऋषभदास

123. सुदंसणचरिउ में इस मंत्र का महात्म्य दर्शाया गया है -
(अ) अभय मंत्र (ब) गायत्री मंत्र
(स) पंच णमोकार मंत्र (द) मृत्युञ्जय मंत्र

124. सुदर्शन अपने पूर्व भव में थे-
(अ) कोतवाल (ब) मुनिराज
(स) चैकीदार (द) ग्वाला

125. जिसके खाने से अहंकार बढता है फिर मद्यपान की इच्छा भी जागृत हो जाती है वह है-
(अ) फल (ब) रोटी
(स) मांस (द) मिठाई

126. संदेशरासक काव्य है -
(अ) वीर काव्य (ब) हास्य काव्य
(स) विरह काव्य (द) वीभत्स काव्य

127. संदेशरासक में उल्लिखित 'भीरसेन' है-
(अ) काव्य का रचयिता (ब) काव्य का नायक
(स) रचनाकार के पिता (द) रचना का प्रकाशक

128. संदेशरासक की नायिका द्वारा अपने पति को अपनी विरह-व्यथा बताने के लिए किया गया -
(अ) पत्र-प्रेषण (ब) चित्र-प्रेषण
(स) संदेश-प्रेषण (द) मित्र-प्रेषण

129. संदेशरासक की नायिका खंभात जानेवाले पथिक को ही अपनी विरहव्यथा सुनाती है क्योंकि -
(अ) उसका पति खंभात में रहता था (ब) नायिका को खंभात पसंद था

(स) वह पथिक ही उसका पूर्व परिचित था (द) पथिक उसके पति का मित्र था

130. अमंगलियपुरिसहो कहा के मूल लेखक हैं -
(अ) मुनि जिनविजय जी (ब) मुनि कस्तूरविजय जी
(स) मुनि पुण्यविजय जी (द) मुनि शांतिविजय जी

131. राजा ने अमांगलिक पुरुष को प्रभात में बुलाया -
(अ) पुरस्कार देने के लिए (ब) नौकरी देने के लिए
(स) परीक्षा के लिए (द) बात करने के लिए

132. वध के लिए ले जाते हुए अमांगलिक पुरुष की रक्षा के लिए तत्पर हुआ-
(अ) सेनापति (ब) उसका पुत्र
(स) मंत्री (द) एक दयावान बुद्धिमान पुरुष

133. राजा व अमांगलिक पुरुष दोनों का एक-दूसरे के मुख दर्शन की तुलना में राजा के मुखदर्शन का परिणाम रहा-
(अ) शुभ (ब) अधिक अमांगलिक
(स) लाभदायक (द) समान फलदायी

134. विउसीहे पुत्तबहू हे कहाणगु का सेठ लक्ष्मीदास है-
(अ) अत्यन्त धार्मिक (ब) नियम-संयम पालनेवाला
(स) भोगविलासों में रत (द) अत्यन्त निर्धन

135. विउसी पुत्तबहू ने साधु की परीक्षा लेते समय पूछा -
(अ) किस गुरु से संन्यास लिया (ब) संन्यास क्यों ग्रहण किया
(स) संन्यास कहाँ ग्रहण किया (द) अभी समय नहीं हुआ पहले ही क्यों निकल गये

136. विउसी पुत्तबहू ने अपनी आयु बारह वर्ष बताई उसकी वास्तविक आयु थी -
(अ) पच्चीस वर्ष (ब) बीस वर्ष
(स) तीस वर्ष (द) बारह वर्ष

137. विउसी पुत्तवहू की प्रेरणा से उसका पति आराधक हुआ-
(अ) सर्वज्ञ के धर्म का (ब) सत्य धर्म का
(स) क्षत्रिय धर्म का (द) वैष्णव धर्म का

138. 'गेहिसूरु' कथा मूलतः इस भाषा में निबद्ध है -
(अ) पालि (ब) हिन्दी
(स) डिंगल (द) प्राकृत

139. 'गेहिसूरु' का नायक स्वयं को समझता है -
(अ) बहुत वीर (ब) बहुत ज्ञानी
(स) बहुत धनी (द) बहुत दानी

140. 'गेहिसूरु' का नायक अपनी दुकान से वापस घर लौटता था -
(अ) सांयकाल (ब) मध्याह्न में
(स) मध्यरात्रि में (द) प्रातःकाल

141. 'गेहिसूरु' के नायक ने नग्नरूप में घर लौटने पर पत्नी द्वारा कारण पूछने पर उसने उत्तर दिया-
(अ) मैंने सब दान कर दिया (ब) मेरे कपड़े फट गये
(स) चोरों द्वारा लूट लिया गया (द) किसी जरूरतमंद को दे दिये

142. 'गेहिसूरु' को दुकान से लौटते में लूटा है-
(अ) चोर ने (ब) मित्र ने
(स) उसकी पत्नी ने (द) पडौसी ने

143. छन्द के भेद होते हैं-
(अ) एक (ब) दो
(स) पाँच (द) चार

144. छन्द के एक भाग को कहते हैं -

(अ) अंश (ब) टुकड़ा

(स) काव्य (द) चरण या पाद

145. गुरु (दीर्घ) वर्ण की मात्रा होती है -

(अ) तीन (ब) पाँच

(स) एक (द) दो

146. चन्द्रबिन्दु का वर्ण की मात्रा पर प्रभाव पड़ता है -

(अ) मात्रा दीर्घ हो जाती है (ब) मात्रा लघु हो जाती है

(स) कोई प्रभाव नहीं पड़ता (द) वहाँ यति हो जाती है

147. 'मगण' की मात्राएँ है -

(अ) । ऽ । (ब) । । ।

(स) ऽ ऽ ऽ (द) ऽ ऽ ।

148. जिस छन्द के प्रत्येक चरण में पन्द्रह मात्राएँ होती हैं और अन्त में नगण आता है वह छन्द है-

(अ) आरणाल (ब) रचिता

(स) मदिरा (द) पारणक

149. जिस छन्द के प्रत्येक चरण में छः वर्ण होते हैं और दो बार यगण आता है वह छन्द है-

(अ) भुजंगप्रयात (ब) उष्णिका

(स) सिद्धक (द) सोमराजी

150. 'जंणहो' में गण है -

(अ) मगण (ब) रगण

(स) जगण (द) तगण

उत्तर कुंजी

1	(द)	11	(द)	21	(द)	31	(अ)	41	(ब)
2	(द)	12	(ब)	22	(ब)	32	(अ)	42	(द)
3	(अ)	13	(स)	23	(स)	33	(ब)	43	(स)
4	(ब)	14	(द)	24	(स)	34	(द)	44	(द)
5	(स)	15	(स)	25	(ब)	35	(अ)	45	(ब)
6	(ब)	16	(स)	26	(ब)	36	(स)	46	(ब)
7	(स)	17	(अ)	27	(स)	37	(द)	47	(स)
8	(अ)	18	(स)	28	(स)	38	(ब)	48	(स)
9	(ब)	19	(स)	29	(स)	39	(अ)	49	(द)
10	(ब)	20	(ब)	30	(स)	40	(स)	50	(द)
51	(ब)	61	(स)	71	(स)	81	(स)	91	(अ)
52	(द)	62	(अ)	72	(स)	82	(अ)	92	(स)
53	(ब)	63	(ब)	73	(अ)	83	(अ)	93	(अ)
54	(ब)	64	(स)	74	(ब)	84	(ब)	94	(अ)
55	(ब)	65	(द)	75	(स)	85	(अ)	95	(स)
56	(स)	66	(ब)	76	(ब)	86	(द)	96	(ब)
57	(द)	67	(अ)	77	(ब)	87	(अ)	97	(अ)
58	(द)	68	(अ)	78	(स)	88	(अ)	98	(अ)
59	(अ)	69	(अ)	79	(स)	89	(स)	99	(अ)
60	(ब)	70	(द)	80	(ब)	90	(स)	100	(स)
101	(स)	111	(ब)	121	(स)	131	(स)	141	(स)
102	(स)	112	(स)	122	(ब)	132	(द)	142	(स)
103	(स)	113	(स)	123	(स)	133	(ब)	143	(ब)
104	(ब)	114	(स)	124	(द)	134	(स)	144	(द)
105	(स)	115	(ब)	125	(स)	135	(द)	145	(द)
106	(स)	116	(ब)	126	(स)	136	(ब)	146	(स)
107	(स)	117	(ब)	127	(स)	137	(अ)	147	(स)
108	(ब)	118	(स)	128	(स)	138	(द)	148	(द)
109	(द)	119	(द)	129	(अ)	139	(अ)	149	(द)
110	(स)	120	(स)	130	(ब)	140	(स)	150	(ब)